

एमएमवी में चलेगा बीएफए कोर्स, छह महीने में जमा होगी पीएचडी की फीस⁵²

बीएचयू में पांच 5 घंटे चली एसी की बैठक, यूजी-पीजी के प्रवेश नियमों में होगा सुधार

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में शुक्रवार को एकेडमिक काउंसिल (एसी) की बैठक हुई। स्वतंत्रता भवन के सीनेट हॉल में पांच घंटे तक चली एसी की बैठक में तय हुआ कि 2025-26 से पीएचडी की फीस सेमेस्टर वाइज तीन ही मद में ली जाएगी। एकेडमिक, डेवलपमेंट और एग्जामिनेशन फीस के तौर पर राशि जमा की जाएगी। एमएमवी में बीएफए कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया। इस कोर्स का सिलेबस दृश्य कला संकाय से लिया गया है।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में 123 पेज के कुल 6 से ज्यादा एजेंडों को पटल पर रखा गया। इस पर चर्चा के बाद अंतिम अनुमति दी गई। बैठक के दौरान कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने खुद ही घोषित कर दिया कि ये उनकी अंतिम एकेडमिक काउंसिल थी। इसमें आए सभी विभागाध्यक्षों और डीन-डायरेक्टर के साथ बैठक की। एजेंडे पर मुहर लगाने के बाद बैठक समापन के दौरान कुलपति प्रो. जैन ने भावुक होकर कहा कि आप लोगों के साथ ये अंतिम एकेडमिक बैठक है।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में



स्वतंत्रता भवन के सीनेट हॉल में एकेडमिक काउंसिल की बैठक को संबोधित करते कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन। स्रोत-बीएचयू

कुलपति बोले- ये मेरी अंतिम एकेडमिक काउंसिल बैठक

हिंदू अध्ययन से पीएचडी समेत बीएचयू के चार संबद्ध कॉलेजों और महिला महाविद्यालय में नए कोर्स, भविष्य के यूजी-पीजी प्रवेश में सुधार, नई शिक्षा नीति के तहत परीक्षा सुधार समिति, आईओई स्कीम, पीएचडी फीस, यूजी कोर्स ऑर्डिनेंस पर अंतिम मंजूरी दी गई। भविष्य के यूजी-पीजी प्रवेश में सुधार के तहत जिन-जिन कोर्स में पिछले साल से कम प्रवेश हुए हैं, उनकी सीटों की संख्या कम की जाएगी।

आईओई की 25 स्कीमें जारी

रहेंगी : 31 मार्च 2025 को आईओई का फंड खत्म हो जाने के बाद भी बीएचयू 25 स्कीमें जारी रखेगा। वहीं, पांच स्कीमें बंद की जाएंगी। बंद की जाने वाली स्कीम में टॉप-500 इंस्टीट्यूट से चुने जाने वाले मालवीय पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, प्रोफेसरों को 1 से 3 लाख की एक मुश्त राशि, प्रमोटिंग ट्रांस-डिसीप्लिनेरी रिसर्च स्कीम, इंसेटिव ग्रांट टू सीनियर फैकल्टी मेंबर, आरजीएससी में मैनुस्क्रिप्ट राइटिंग रिट्रीट शामिल हैं। इसके अलावा बैठक में शुरू किए जा रहे कोर्स की फीस के बारे में भी जानकारी दी गई।

कम्युनिटी इंटरनेट, वाई-फाई के लिए कमिटी बनी

वाराणसी। बीएचयू में कम्युनिटी इंटरनेट, हाईस्पीड डेटा, वाई-फाई, लैन और ईआरपी सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। कैपस में छात्र-छात्राओं को इंटरनेट की बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की पहल की गई है। बीएचयू में इसके लिए एक एडवाइजरी कमिटी गठित की गई है। रेक्टर व विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. संजय कुमार की अध्यक्षता में बनाई गई कमिटी कंप्यूटर सेंटर को इंटरनेट को लेकर जरूरी सलाह देगी। समिति नियमित बैठक कर विकास का खाका खींचेगी। इस संबंध में कुलसचिव कार्यालय की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।

आईआईटी कानपुर के सलाहकार बने सदस्य : कंप्यूटर सेंटर के कोऑर्डिनेटर प्रो. राकेश रमन को कन्वेनर बनाया गया है। इंडियन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के सलाहकार प्रो. टीवी प्रभाकर, कंप्यूटर सेंटर के डिप्टी कोऑर्डिनेटर प्रो. राजेश कुमार और कंप्यूटर सेंटर के प्रोग्रामर चंदन राय को सदस्य नियुक्त किया गया है। वहीं, डिप्टी रजिस्ट्रार को सचिव बनाया गया है। कमिटी में बाहर के एक्सपर्ट को भी शामिल किया गया है। ब्यूरो

परीक्षा तीन पाली में, मूल्यांकनों के लिए 30 अंक

बीएचयू की अकादमिक परिषद की बैठक में लिए कई फैसले बीएचयू स्वयं के संसाधनों से जारी रखेगा आइओई की 25 योजनाएं

जागरण संवाददाता, वाराणसी: बीएचयू की अकादमिक परिषद की बैठक में शुक्रवार को कई बड़े फैसले लिए गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में परीक्षा सुधार समिति की सिफारिशों की गहन समीक्षा की गई। तय हुआ कि अब मूल्यांकन के लिए किसी पाठ्यक्रम में अंकों के वितरण की समग्र संरचना इस प्रकार होगी कि सेमेस्टर के दौरान विभिन्न मूल्यांकनों के लिए 30 अंक आवंटित किए जाएंगे, जबकि अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए 70 अंक आवंटित किए जाएंगे। अंतिम सेमेस्टर परीक्षा की अवधि 2.30 घंटे होगी। एक दिन में तीन पालियों में परीक्षा आयोजित की जा सकती है। सत्रिय व सतत मूल्यांकन 30 अंकों का होगा, जिसके दो घटक होंगे मध्यावधि परीक्षा और असाइनमेंट, प्रस्तुति, वाइवा, विवज व कोई अन्य समान परीक्षा आदि शामिल हैं।

मध्यावधि परीक्षा एक घंटे की होगी तथा 20 अंक निर्धारित होंगे। सत्र के अंक मध्यावधि परीक्षा आयोजित होने के एक सप्ताह के भीतर तथा अंतिम सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने से पहले अपलोड कर दिए जाएंगे। पोर्टल को संशोधित करेंगे ताकि ताकि संबंधित शिक्षक को मध्यावधि परीक्षा के दोनों घटकों के पूरा होने का इंतजार न करना पड़े। जो छात्र मध्य सेमेस्टर परीक्षा में शामिल नहीं हो पाते हैं, उन्हें अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के संबंधित पेपर में शामिल होने की अनुमति दी जा सकती है। ऐसे छात्रों को संबंधित शिक्षक द्वारा मध्यावधि अंकों के लिए पोर्टल पर 'ए' मार्क किया जाएगा। यह शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वह मध्यावधि अंकों के कालम को खाली न छोड़ें। शिक्षक द्वारा मार्क किए गए 'ए' को अंकों की गणना के लिए सीओई कार्यालय द्वारा पोर्टल पर 'शून्य' में बदला जा सकता है। छात्रों को अगले सेमेस्टर में लंबित मध्य सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अंतिम सेमेस्टर परीक्षा दो



सिनेट हाल में काउंसिल आफ एकेडमी की बैठक में वीसी प्रो. सुधीर कुमार जैन • बीएचयू

कुलपति बोले, यह मेरी अंतिम बैठक है, सहयोग के लिए आपका धन्यवाद

जागरण संवाददाता, वाराणसी: बीएचयू के सिनेट हाल में आयोजित अकादमिक परिषद की बैठक करीब चार घंटे तक चली। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि यह मेरी अंतिम बैठक है। आप सबने मेरा काफी सहयोग किया है, इसलिए आपको सहृदय धन्यवाद। बैठक में उपस्थित संस्थानों के निदेशक, संकाय प्रमुख, विभागाध्यक्ष और केंद्रों के समन्वयकों ने भी उनका अभिवादन किया। अमूमन, पूर्व में हुई बैठकों के अंतिम क्षण में कुलपति अधिकांश संकाय सदस्यों के साथ संवाद करते रहे हैं, लेकिन शुक्रवार को वह बिना किसी से बात किए हाल से चले गए। बता दें कि कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल छह जनवरी को समाप्त हो रहा है, ऐसे में यह बैठक काफी अहम मानी जा रही थी। उनके फैसलों पर विवि की निगाह थी। नए कुलपति का नाम अभी तक घोषित

नहीं हुआ है, लेकिन शिक्षा मंत्रालय की सचं कमेटी की तरफ से बैठक की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। शीघ्र ही नए कुलपति का नाम सार्वजनिक हो सकता है।

बीएचयू में माप-अप और स्पार्ट राउंड होगा एक: बैठक में प्रवेश का पूरा ब्योरा प्रस्तुत किया। प्रवेश प्रक्रिया के सरलीकरण की पर सहमति बनी। तीन फेज में मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। मोप अप राउंड और स्पार्ट राउंड को एक करेंगे। दोनों को मिलाकर कोई एक राउंड जारी किया जाएगा। हास्टल मिलने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी, क्योंकि हास्टल के बिना अर्थवर्ती दूसरे विश्वविद्यालयों में प्रवेश ले लेते हैं। परीक्षा में बाह्य परीक्षक नियुक्त किया जाएगा। विलंबित पीएचडी बुलेटिन का महा प्रमुखता से उठाया गया। संकाय सदस्यों ने कहा कि इसके कारण समस्या होती है।

घंटे और तीस मिनट की अवधि की होगी तथा 70 अंक की होगी। मिड-टर्म व एंड-सेमेस्टर परीक्षाओं की अवधि और पेपर के सांकेतिक पैटर्न पर सिफारिशें एनईपी ढांचे के तहत आईसी और वीएसी कोर्स के लिए लागू नहीं हो सकती हैं। उत्तीर्ण अंक 100 में से 40 होंगे।

पहले की तरह जारी रहेगी पूरक परीक्षाओं की व्यवस्था: परीक्षा का

कार्यक्रम अंतिम सेमेस्टर परीक्षा की अवधि 2 घंटे 30 मिनट होगी। छात्रों को बैक पेपर में उपस्थित होने की अनुमति देने के लिए, अंतिम वर्ष के सेमेस्टर को छोड़कर सभी सेमेस्टर के विषयों की दोबारा परीक्षा निर्धारित परीक्षा के पूरा होने के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी। पूरक परीक्षाओं की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। अंतिम सेमेस्टर

जागरण संवाददाता, वाराणसी: अकादमिक काउंसिल की बैठक में तय हुआ है कि इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस (आइओई) स्क्रीम से करीब 31 योजनाओं में से 25 योजनाओं को आइओई योजना के पूरा होने के बाद विवि अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके जारी किया जाएगा। इन योजनाओं में नवनिर्भूत संकाय सदस्यों को बीज अनुदान, अनुसंधान प्रोत्साहन योजना, अंतरराष्ट्रीय पीएचडी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, अंतरराष्ट्रीय यूजी-पीजी छात्रों को छात्रवृत्ति, अंतरराष्ट्रीय विजिटिंग छात्र कार्यक्रम, बीएचयू (गैर-नेट) यूजीसी फेलोशिप (अंतरराष्ट्रीय छात्रों सहित) वाले शोध विद्वानों को प्रोत्साहन, एनी बेसेंट कालेज शिक्षक विनिमय कार्यक्रम, दरभंगा नरेश रामेश्वर सिंह विजिटिंग फैकल्टी प्रोग्राम आदि शामिल हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों, लद्दाख व जम्मू-कश्मीर के छात्रों को प्राथमिकता पर मिलेगा हास्टल: स्नातक और परास्नातक प्रवेश में सुधार के लिए केंद्रीय प्रवेश समिति ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। विवि में पूर्वोत्तर राज्यों (अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा), लद्दाख और जम्मू-कश्मीर से आने वाले छात्रों की संख्या बहुत कम है। इन क्षेत्रों के छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए सहायता प्रदान करने और विवि में अधिक विविधता लाने का प्रयास होगा।

- विवि में शिक्षण, सीखने और शोध के माहौल पर देखेंगे प्रभाव
- आनलाइन प्रवेश को रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि तय होगी

10 प्रतिशत बढ़ेगा शुल्क

संकायों के पीएचडी कार्यक्रम के लिए शुल्क संरचना में बदलाव हुआ है, इसे शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू किया जाएगा। पीएचडी शुल्क में प्रति वर्ष 10 प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी।

कमेटी करेगी मूल्यांकन

बीएचयू की तीन सदस्यीय समिति प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी, जिसमें प्रकाशन रिकार्ड, बाहरी शोध निधि प्राप्त करने के प्रयास, विवि में शिक्षण और सेवा गतिविधियों में भागीदारी और समग्र सहयोग और विदेशी विवि में प्रस्तावित शोध योजना की समग्र गुणवत्ता शामिल होगी।

आनलाइन प्रवेश के समय नहीं होगा दस्तावेजों का सत्यापन: विवि में विद्यार्थियों का आनलाइन प्रवेश के समय दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया जाएगा। रिपोर्टिंग के समय दस्तावेजों का सत्यापन करना जरूरी होगा। बड़ी संख्या में छात्र रिपोर्टिंग की घोषित तिथि पर रिपोर्ट नहीं करते हैं, इससे उन छात्रों द्वारा सीटों को अनावश्यक रूप से रोके रखने की स्थिति पैदा हो सकती है।

परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए परीक्षक मंडल द्वारा नियुक्त परीक्षक को संबंधित कोर्स के मध्य सेमेस्टर परीक्षा के लिए सामान्य प्रश्न पत्र तैयार करने का कार्य भी सौंपा जा सकता है।

चार सेमेस्टर के लिए सामान्य विषय के अलग-अलग प्रश्न पत्र: कला और सामाजिक विज्ञान के संकायों के कुछ विषयों के लिए

सामान्य प्रश्न पत्र और अन्य ऐसे मामले कुछ सामान्य विषय हैं जो एक से अधिक संकाय में चलते हैं। एक से चार सेमेस्टर के लिए कला और सामाजिक-विज्ञान के संकायों के सामान्य विषय के अलग-अलग प्रश्न पत्र तैयार किए जाएंगे ताकि पाठ्यक्रमों के लिए टकराव मुक्त परीक्षा कार्यक्रम अलग से जारी किया जा सके।

कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल की अंतिम विद्वत परिषद बैठक में कई अहम फैसले लिये गए

आईओई के बाद भी विश्वविद्यालय में चलते रहेंगे 26 सफल प्रोजेक्ट

बीएचयू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू में इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) का समय पूरा होने के बाद भी सफल योजनाओं का संचालन जारी रहेगा। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के मौजूदा कार्यकाल की अंतिम विद्वत परिषद की बैठक में शुक्रवार को यह अहम फैसला लिया गया। इन योजनाओं का संचालन बीएचयू आगे अपने संसाधनों से जारी रहेगा। स्वतंत्रता भवन के सीनेट सभागार में आयोजित विद्वत परिषद की मैराथन बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी सहमति मिल गई।

14 दिसंबर-2024 को हुए बीएचयू के 104वें दीक्षांत समारोह में अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने आईओई के तहत शुरू हुई सफल योजनाओं को इसके बाद भी जारी रखने का संकेत दिया था। शुक्रवार को विद्वत परिषद की बैठक में इसपर मुहर लग गई। आईओई के तहत बीएचयू में शुरू कुल 31 में से 26 योजनाओं को जारी रखा जाएगा।

इनमें नए अध्यापकों को सीड ग्रांट, टीच फॉर बीएचयू, पीडीएफ, रिसर्च प्रमोशन स्कीम, विभिन्न छात्रवृत्तियां, इंटरनेशनल विजिटिंग स्टूडेंट प्रोग्राम, एनी बेसेंट कॉलेज टीचर एक्सचेंज प्रोग्राम, दरभंगा नरेश विजिटिंग फैकल्टी प्रोग्राम, संकाय और विभाग विकास के लिए अधिकतम 20 करोड़ की धनराशि, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन इंटरमीशिय, राजा ज्वाला प्रसाद पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप, सयाजीराव गायकवाड़ फेलोशिप, ग्लोबल एक्पीरियंस प्रोग्राम, बीएचयू एक्सीलेंस एक्सपोजर प्रोग्राम आदि शामिल हैं। पांच योजनाओं के लिए आईओई की समयसीमा में वृद्धि की प्रतीक्षा की जाएगी। यह भी तय हुआ कि आईओई के तहत विभिन्न योजनाओं के बिल 20 फरवरी तक प्रस्तुत कर दिए जाएं। इसके बाद आने वाले किसी

1. नई शिक्षा नीति के तहत कोर्सों के प्रारूप पर भी सहमति

2. पीएचडी की नई फीस व्यवस्था भी लागू करने को मंजूरी

3. प्रवेश निर्देशिका सहित अन्य बदलावों पर परिषद सहमत



बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में विद्वत परिषद की बैठक में शुक्रवार को कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन (मध्य में) तथा (दाएं) रेक्टर प्रो. संजय कुमार तथा रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार सिंह (बाएं)।

बैठक के बाद वीसी का संदेश चर्चा में रहा

बीएचयू की साल की पहली विद्वत परिषद की बैठक में कुलपति का संदेश भी चर्चा में रहा। कुलपति ने बैठक में सदस्यों से कहा कि 'आप लोगों के साथ यह मेरी अंतिम एकेडमिक काउंसिल की बैठक है'। बैठक संपन्न होने के बाद बीएचयू में इस संदेश की बड़ी चर्चा रही। बता दें कि कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल 6 जनवरी को समाप्त हो रहा है। हालांकि अब तक नए कुलपति के नाम पर शिक्षा मंत्रालय से मुहर नहीं लग सकी है।

दृश्य कला में पेड सीट की फीस आधी

दृश्य कला संकाय के अंतर्गत पीजी पाठ्यक्रमों में पेड सीट पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की फीस को लेकर भी विद्वत परिषद ने बड़ा निर्णय लिया। नए सत्र से पीजी में पेड सीट पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को 50 हजार की जगह अब 25 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर का भुगतान करना होगा।

नए सत्र से बढ़ेगा पीएचडी का थुल्क

विद्वत परिषद ने तय किया कि सत्र 2025-26 से पीएचडी की फीस बढ़ाई जाएगी। बीएचयू से जुड़े शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और बाह्य शोधार्थियों के लिए फीस अलग-अलग होगी। साथ ही फीस में सालाना वृद्धि का प्रावधान भी किया गया है। हालांकि हर वर्ष इसके लिए कुलपति की अनुमति लेनी होगी।

अन्य महत्वपूर्ण फैसले

■ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नीति में बदलाव ■ एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों और वोकेशनल कोर्सज में सीटें बढ़ाई ■ कम प्रवेश वाले पाठ्यक्रमों में अगले सत्र से सीटें घटाने का

निर्णय ■ स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के समन्वयक भी विद्वत परिषद के सदस्य के रूप में अगली बैठकों में शामिल होंगे ■ कक्षाएं देर से शुरू होने के कारण पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 जनवरी की जगह

10 फरवरी से शुरू होकर 22 फरवरी तक चलेंगी ■ द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होंगी ■ एनडी की तहत कोर्स ब्रेक करने के बाद दोबारा प्रवेश लेने वाले छात्रों पर भी निर्णय।

बिल का भुगतान नहीं किया जाएगा। विद्वत परिषद ने इसके साथ ही प्रवेश नियमों में संशोधन पर भी मुहर लगा दी। इसके अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया का समय कम करने, अभ्यर्थियों की रिपोर्टिंग के दिन विभाग या संकाय में उनके प्रपत्रों की जांच और देर करने वाले अभ्यर्थियों की सीट निरस्त कर प्रतीक्षा सूची के छात्रों को मौका देने समेत अन्य बदलावों को सहमति दी गई। विज्ञान संकाय की तरफ से प्रस्तावित बीएससी ऑनर्स और बीएससी ऑनर्स विद रिसर्च पाठ्यक्रमों

के क्रेडिट सिस्टम में संशोधन पर भी मुहर लगा दी गई। एनडीपी के तहत दोनों विषयों के ऑर्डिनेंस में बदलाव के प्रस्ताव को विज्ञान संकाय को नए सिरे से बनाने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

नए पाठ्यक्रमों पर भी लगी मुहर: विद्वत परिषद की साल की पहली बैठक में बीएचयू में नए पाठ्यक्रमों पर भी मुहर लग गई। कृषि विज्ञान संस्थान और राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में मास्टर ऑफ वेटनरी साइंसेज पाठ्यक्रम की

शुरुआत होगी। इसकी फीस रेगुलर सीट पर 25 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर और पेड सीट पर 75 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर तय की गई है। महिला महाविद्यालय में बीएफए पेंटिंग कोर्स भी शुरू किया जाएगा। कम छात्रा स्थित वसंत कन्या महाविद्यालय में बीसीए और डीएवी पीजी कॉलेज में भी प्रयोजनमूलक हिंदी पत्रकारिता जैसे पाठ्यक्रम शुरू करने पर मुहर लग गई। संबद्ध महाविद्यालयों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों की कुल संख्या अब 18 हो

गई है। इनमें 17 को पिछली बैठक में स्वीकृति दे दी गई थी।

प्रो. गोपेश्वर बने आईओई के उप समन्वयक: बीएचयू में 31 मार्च को खत्म हो रही आईओई योजना के लिए कुलपति ने उप समन्वयक की तैनाती की है। विज्ञान संस्थान स्थित मॉलिक्यूलर एवं ह्यूमन जेनेटिक्स विभाग के प्रो. गोपेश्वर नारायण को इंस्टिट्यूशन ऑफ एमिनेंस का उप समन्वयक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए की गई है।

एक वर्ष के विस्तार के लिए भेजा प्रस्ताव

बीएचयू ने इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) योजना में एक वर्ष के विस्तार के लिए केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है। आईओई विश्वविद्यालयों के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके अंतर्गत चयनित विश्वविद्यालय या संस्थान को 5 वर्ष में एक हजार करोड़ रुपये अकादमिक और संसाधन विकास के लिए दिए जाते हैं। बीएचयू 2020 में चुना गया था, 31 मार्च 2025 में यह योजना समाप्त हो रही है। आईओई योजना में नए बदलाव के अनुसार अब संस्थानों को पांच साल की जगह एक साल के लिए 200 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

पीएचडी हिंदू अध्ययन के लिए चार सीटें

भारत अध्ययन केंद्र के अंतर्गत पीएचडी हिंदू अध्ययन के लिए चार सीटें पर सहमति बनी। यह चार सीटें किसी भी विषय से पीजी करने वाले नेट क्वालिफाइड अभ्यर्थियों से भरी जाएगी। अध्ययन केंद्र की सेंट्रल रिसर्च कमेटी शोध के टॉपिक तय करेगी। इसके साथ ही बीएचयू में अंतर्विषयी शोध कार्य में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए एक अलग कमेटी का गठन भी किया जाएगा।

कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल की अंतिम विद्वत परिषद बैठक में कई अहम फैसले लिये गए

आईओई के बाद भी विश्वविद्यालय में चलते रहेंगे 26 सफल प्रोजेक्ट

बीएचयू

वाराणसी, चरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू में इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) का समय पूरा होने के बाद भी सफल योजनाओं का संचालन जारी रहेगा। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के मौजूदा कार्यकाल की अंतिम विद्वत परिषद की बैठक में शुक्रवार को यह अहम फैसला लिया गया। इन योजनाओं का संचालन बीएचयू आगे अपने संसाधनों से जारी रखेगा। स्वतंत्रता भवन के सीनेट सभागार में आयोजित विद्वत परिषद की वैधानिक बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी सहमति मिल गई।

14 दिसंबर-2024 को हुए बीएचयू के 104वें दीक्षांत समारोह में अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने आईओई के तहत शुरू हुई सफल योजनाओं को इसके बाद भी जारी रखने का संकेत दिया था। शुक्रवार को विद्वत परिषद की बैठक में इसपर मुहर लग गई। आईओई के तहत बीएचयू में शुरू कुल 31 में से 26 योजनाओं को जारी रखा जाएगा।

इनमें नए अध्यापकों को सीड ग्रांट, टीच फॉर बीएचयू, पीडीएफ, रिसर्च प्रमोशन स्कीम, विभिन्न छात्रवृत्तियां, इंटरनेशनल विजिटिंग स्टूडेंट प्रोग्राम, एनी बेसेंट कॉलेज टीचर एक्सचेंज प्रोग्राम, दरभंगा नरेश विजिटिंग फैकल्टी प्रोग्राम, संकाय और विभाग विकास के लिए अधिकतम 20 करोड़ की धनराशि, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन इंटरनैशनल, राजा ज्वाला प्रसाद पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप, सयाजीराव गायकवाड़ फेलोशिप, ग्लोबल एक्सीलेंस प्रोग्राम, बीएचयू एक्सीलेंस एक्सपोजर प्रोग्राम आदि शामिल हैं। पांच योजनाओं के लिए आईओई की समयसीमा में वृद्धि की प्रतीक्षा की जाएगी। यह भी तय हुआ कि आईओई के तहत विभिन्न योजनाओं के बिल 20 फरवरी तक प्रस्तुत कर दिए जाएं। इसके बाद आने वाले किसी

1. नई शिक्षा नीति के तहत कोर्सों के प्रारूप पर भी सहमति

2. पीएचडी की नई फीस व्यवस्था भी लागू करने को मंजूरी

3. प्रवेश निर्देशिका सहित अन्य बदलावों पर परिषद सहमत



बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में विद्वत परिषद की बैठक में शुक्रवार को कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन (मध्य में) तथा (दाएं) रेक्टर प्रो. संजय कुमार तथा रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार सिंह (बाएं)।

बैठक के बाद वीसी का संदेश चर्चा में रहा

बीएचयू की साल की पहली विद्वत परिषद की बैठक में कुलपति का संदेश भी चर्चा में रहा। कुलपति ने बैठक में सदस्यों से कहा कि 'आप लोगों के साथ यह मेरी अंतिम एकेडमिक काउंसिल की बैठक है'। बैठक संपन्न होने के बाद बीएचयू में इस संदेश की बड़ी चर्चा रही। बता दें कि कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल 6 जनवरी को समाप्त हो रहा है। हालांकि अब तक नए कुलपति के नाम पर शिक्षा मंत्रालय से मुहर नहीं लग सकी है।

दृश्य कला में पेड सीट की फीस आधी

दृश्य कला संकाय के अंतर्गत पीजी पाठ्यक्रमों में पेड सीट पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की फीस को लेकर भी विद्वत परिषद ने बड़ा निर्णय लिया। नए सत्र से पीजी में पेड सीट पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को 50 हजार की जगह अब 25 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर का भुगतान करना होगा।

नए सत्र से बढ़ेगा पीएचडी का शुल्क

विद्वत परिषद ने तय किया कि सत्र 2025-26 से पीएचडी की फीस बढ़ाई जाएगी। बीएचयू से जुड़े शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और बाह्य शोधार्थियों के लिए फीस अलग-अलग होगी। साथ ही फीस में सालाना वृद्धि का प्रावधान भी किया गया है। हालांकि हर वर्ष इसके लिए कुलपति की अनुमति लेनी होगी।

अन्य महत्वपूर्ण फैसले

■ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नीति में बदलाव ■ एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों और वोकेशनल कोर्सों में सीटें बढ़ाई ■ कम प्रवेश वाले पाठ्यक्रमों में अगले सत्र से सीटें घटाने का

निर्णय ■ स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के समन्वयक भी विद्वत परिषद के सदस्य के रूप में अगली बैठकों में शामिल होंगे ■ कक्षाएं देर से शुरू होने के कारण पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 जनवरी की जगह

10 फरवरी से शुरू होकर 22 फरवरी तक चलेंगी ■ द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होंगी ■ एनईपी के तहत कोर्स ब्रेक करने के बाद दोबारा प्रवेश लेने वाले छात्रों पर भी निर्णय।

बिल का भुगतान नहीं किया जाएगा।

विद्वत परिषद ने इसके साथ ही प्रवेश नियमों में संशोधन पर भी मुहर लगा दी। इसके अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया का समय कम करने, अभ्यर्थियों की रिपोर्टिंग के दिन विभाग या संकाय में उनके प्रपत्रों की जांच और देर करने वाले अभ्यर्थियों की सीट निरस्त कर प्रतीक्षा सूची के छात्रों को मौका देने समेत अन्य बदलावों को सहमति दी गई। विज्ञान संकाय की तरफ से प्रस्तावित बीएससी ऑनर्स और बीएससी ऑनर्स विद रिसर्च पाठ्यक्रमों

के क्रेडिट सिस्टम में संशोधन पर भी मुहर लगा दी गई। एनईपी के तहत दोनों विषयों के ऑर्डिनेंस में बदलाव के प्रस्ताव को विज्ञान संकाय को नए सिरे से बनाने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

नए पाठ्यक्रमों पर भी लगी मुहर: विद्वत परिषद को साल की पहली बैठक में बीएचयू में नए पाठ्यक्रमों पर भी मुहर लग गई। कृषि विज्ञान संस्थान और राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में मास्टर ऑफ वेटनरी साइंसेज पाठ्यक्रम की

शुरुआत होगी। इसकी फीस रेगुलर सीट पर 25 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर और पेड सीट पर 75 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर तय की गई है। महिला महाविद्यालय में बीएफए पेंटिंग कोर्स भी शुरू किया जाएगा। कम चर्चा स्थित वसंत कन्या महाविद्यालय में बीसीए और डीएवी पीजी कॉलेज में भी प्रयोजनमूलक हिंदी पत्रकारिता जैसे पाठ्यक्रम शुरू करने पर मुहर लग गई। संबद्ध महाविद्यालयों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों की कुल संख्या अब 18 हो

गई है। इनमें 17 को पिछली बैठक में स्वीकृति दे दी गई थी।

प्रो. गोपेश्वर बने आईओई के उप समन्वयक : बीएचयू में 31 मार्च को खत्म हो रही आईओई योजना के लिए कुलपति ने उप समन्वयक की तैनाती की है। विज्ञान संस्थान स्थित मॉलिक्यूलर एवं ह्यूमन जेनेटिक्स विभाग के प्रो. गोपेश्वर नारायण को इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस का उप समन्वयक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए की गई है।

एक वर्ष के विस्तार के लिए भेजा प्रस्ताव

बीएचयू ने इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) योजना में एक वर्ष के विस्तार के लिए केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है। आईओई विश्वविद्यालयों के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके अंतर्गत चयनित विश्वविद्यालय या संस्थान को 5 वर्ष में एक हजार करोड़ रुपये अकादमिक और संसाधन विकास के लिए दिए जाते हैं। बीएचयू 2020 में चुना गया था, 31 मार्च 2025 में यह योजना समाप्त हो रही है। आईओई योजना में नए बदलाव के अनुसार अब संस्थानों को पांच साल की जगह एक साल के लिए 200 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

पीएचडी हिंदू अध्ययन के लिए चार सीटें

भारत अध्ययन केंद्र के अंतर्गत पीएचडी हिंदू अध्ययन के लिए चार सीटों पर सहमति बनी। यह चार सीटें किसी भी विषय से पीजी करने वाले नेट क्वालिफाइड अभ्यर्थियों से भरी जाएंगी। अध्ययन केंद्र की सेंट्रल रिसर्च कमेटी शोध के दृष्टिकोण तय करेगी। इसके साथ ही बीएचयू में अंतर्विषयी शोध कार्य में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए एक अलग कमेटी का गठन भी किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन ३

वाराणसी। बीएचयू के डीएसटी-सीआइएमएस और महिला महाविद्यालय के तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इसमें बेजियन फ्रंटियर्स : अन्वीलिंग द फ्यूचर ऑफ स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग एंड इन्फरेंस पर चर्चा हुई। संयोजिका डॉ. अंकिता गुप्ता ने इसके उद्देश्य की जानकारी दी। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. सत्याशु कुमार उपाध्याय ने इसमें भाग लेने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि प्रो. अर्नेस्ट फोक ने भारत को अध्यात्मिक देश कहते हुए और विश्वविद्यालय परिसर पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में प्रो. संजीव सिंह तोमर, डॉ. राकेश रंजन आदि मौजूद रहे।

बीएचयू में कार्यशाला का शुभारंभ



बीएचयू में
अतिथियों
का स्वागत
करती डॉ.
अंकिता।
स्रोत-दिवि

वाराणसी। बीएचयू के डीएसटी-सीआइएमएस और महिला महाविद्यालय के तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें बेजियन फ्रंटियर्स : अन्वीलिंग द फ्यूचर ऑफ स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग एंड इन्फरेंस पर चर्चा हुई। संयोजिका डॉ. अंकिता गुप्ता ने इसके उद्देश्य की जानकारी दी। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. सत्याशु कुमार उपाध्याय ने इसमें भाग लेने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि प्रो. अर्नेस्ट फोक ने भारत को अध्यात्मिक देश कहते हुए और विश्वविद्यालय परिसर पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में प्रो. संजीव सिंह तोमर, डॉ. राकेश रंजन आदि मौजूद रहे। संवाद

बीएचयू के चार कालेजों में शुरू होंगे 18 नए पाठ्यक्रम

जगरण संवाददाता, वाराणसी: बीएचयू से संबद्ध चार कालेजों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर सहमति बन गई है। महाविद्यालयों से 33 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, इसमें 18 प्रस्तावों को अकादमिक परिषद ने स्वीकृत कर दिया। शेष प्रस्ताव समीक्षाधीन श्रेणी में रखे गए। वसंता महिला कालेज राजघाट में यूजी की छात्राओं के लिए चित्रकला में ललित कला पाठ्यक्रम के लिए 20, प्रदर्शन कला के लिए गायन संगीत में 20 व एम काम में अधिकतम 40 सीटों पर प्रवेश होगा। डीएवी पीजी कालेज में प्रबंधन विकास में पीजी डिप्लोमा के लिए 50, जर्मन भाषा में डिप्लोमा के लिए 50, फ्रेंच में डिप्लोमा के लिए 50 व जर्मन में सर्टिफिकेट कोर्स के लिए अधिकतम 50 सीटों पर इस साल दाखिला लिया जाएगा। आर्य महिला पीजी कालेज में एमए (शिक्षा) में 40, प्रदर्शन कला में स्नातक (गायन) 40, प्रदर्शन कला में स्नातक (सितार) 10 व फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा के लिए अधिकतम 30 सीटों पर प्रवेश होगा। योग शिक्षा में पीजी डिप्लोमा के लिए 50 सीटें और थिएटर आर्ट में डिप्लोमा में 30 सीटों पर प्रवेश होगा। वसंत कन्या महाविद्यालय में बी.काम बीएफए, फ्रेंच में डिप्लोमा व जर्मन में डिप्लोमा शुरू होगा। सत्र 2025-26 से वसंता महिला कालेज और आर्य महिला पीजी कालेज में बीपीए के पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। बीए (संगीत) पाठ्यक्रम केवल वसंत कन्या महाविद्यालय में चलेगा और मुख्य परिसर और संबद्ध कालेजों में सभी समान पाठ्यक्रमों की प्रकृति और नामकरण में एकरूपता रखने के लिए वीकेएम में भी बीपीए की अनुमति दी जा सकती है। इसके अलावा महिला महाविद्यालय में बीएफए (पेंटिंग) भी शुरू किया जाएगा।

10 फरवरी से होगी स्नातक की स्थगित परीक्षा: एनईपी कार्यान्वयन समिति की अध्यक्ष प्रो. मधुलिका अग्रवाल ने संकायों, एमएमवी



धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम में सीटें बढ़ीं, बीएससी और बीएससी में बदलाव

धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम में आचार्य की प्रवेश क्षमता 18 सीटों से बढ़ाकर 25 सीटों की जाएगी। भविष्य में किसी विशेष पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता, निधि आवंटन, संकाय पदों तथा अन्य संबंधित संसाधनों को समायोजित करने के लिए मानदंड निर्धारित करते समय पिछले पांच वर्षों की प्रवेश तिथि को भी ध्यान में रखा जाएगा। विज्ञान संकाय में एनईपी-2020 के अनुसार बीएससी और बीएससी (आनर्स विद रिसर्च) में संशोधन होगा। बीएससी (आनर्स) और बीएससी (आनर्स विद रिसर्च) के एसईसी और एमडी के क्रेडिट वितरण में भी बदलाव किया जाएगा। प्रति वर्ष 10 प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी। हालांकि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों के लिए भुगतान सीट शुल्क 50 हजार प्रति सेमेस्टर से घटाकर 25,000 किया जाएगा।

और विशेषाधिकार प्राप्त कालेजों को एसईसी, बीएसी, आईसी और एमडी पाठ्यक्रमों के आवंटन की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। सत्र 2024-25 में नामांकित छात्रों के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों की पहली सेमेस्टर परीक्षा में आई दिक्कतों पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि 10 फरवरी को परीक्षा आयोजित की जाएगी लेकिन 22 फरवरी तक परीक्षा जरूर पूरी की ली जाए। दूसरे सेमेस्टर की पढ़ाई 24 फरवरी से शुरू की जाएगी।

किसी भी विषय में छात्र हिंदू अध्ययन में कर सकेंगे पीएचडी

जासं, वाराणसी: बीएचयू के भारत अध्ययन केंद्र में हिंदू अध्ययन में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, लेकिन केंद्र के मुख्य या संबद्ध विषय*के बीच कोई अंतर नहीं होगा। सभी विषयों को केवल मुख्य विषय माना जाएगा और कोई संबद्ध विषय नहीं होगा। सभी सीटें केवल मुख्य विषय से ही भरेंगे। किसी भी विषय में पीजी डिग्री रखने वाले छात्र हिंदू अध्ययन में पीएचडी में प्रवेश लेने के पात्र होंगे। एक वर्ष में अधिकतम चार सीटों पर प्रवेश होगा। शुरुआत में केवल जेआरएफ उम्मीदवार ही नामांकन के लिए पात्र होंगे। केंद्र हर साल पीएचडी के लिए केंद्र अनुसंधान समिति द्वारा अनुशंसित अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र से संबंधित शोध क्षेत्रों की एक सूची जारी करेगा। नामांकित उम्मीदवारों को सूची में से शोध का विषय चयनित करना होगा। सूची में विज्ञापित सीटों की संख्या से दोगुने से अधिक विषय शामिल होने चाहिए, बशर्ते कि कोई भी शिक्षक एक से अधिक विषय का सुझाव न दे। पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्रता विज्ञापित विषयों की सूची के अनुसार होगी।

आइएमएस में मेडिकल छात्रों के लिए चलेंगे तीन विशेष पाठ्यक्रम: अकादमिक काउंसिल की बैठक में आइएमएस बीएचयू में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से रेडियो डायग्नोसिस और इमेजिंग विभाग में बीएससी (एमआरआईटी) और रेडियोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा विभाग में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में स्नातक (बीएससी चिकित्सा प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। रेडियो डायग्नोसिस एवं इमेजिंग विभागाध्यक्ष प्रो. अमित नंदन द्विवेदी ने दोनों पाठ्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया। पात्रता मानदंड, प्रवेश क्षमता, चयन प्रक्रिया, पाठ्यक्रम अवधि व शुल्क संरचना के बारे में प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड रेडियोलॉजिकल सुरक्षा प्रभाग से इन पाठ्यक्रमों के लिए अनुमोदन पहले ही प्राप्त हो चुका है।

सांख्यिकी की बेजियन तकनीक पर कार्यशाला

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू में सांख्यिकी की बेजियन तकनीक पर शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ महामना सभागार में किया गया। सांख्यिकी विभाग, डीएसटी-सीआईएमएस और महिला महाविद्यालय की तरफ से आयोजित कार्यशाला में दुनियाभर से जुड़े विशेषज्ञों ने सांख्यिकी की नई विधाओं पर चर्चा की।

'बेजियन फ्रंटियर्स : अन्वीलिंग द फ्यूचर ऑफ़ स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग

एंड इन्फेरेंस' विषय पर आयोजित इस तीन दिनी कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. अर्नेस्ट फोर्कने काशी और बीएचयू से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बेजियन अवधारणाओं की समझ को विकसित करने पर जोर दिया। अतिथियों का स्वागत संयोजिका डॉ. अंकिता गुप्ता और प्रो. संजीव सिंह तोमर ने किया। विज्ञान संकायध्यक्ष प्रो. सत्यांशु कुमार उपाध्याय ने भी चर्चा की। डॉ. राकेश रंजन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईओई के डिप्टी कोऑर्डिनेटर बने गोपेश्वर नारायण

वाराणसी। बीएचयू में विज्ञान संस्थान स्थित मॉलिक्यूलर और ह्यूमन जेनेटिक्स विभाग के प्रो. गोपेश्वर नारायण को इंस्टिट्यूशन ऑफ़ ऐमिनेंस (आईओई) का डिप्टी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए की गई है। वो अपने विभाग में अध्यापन के साथ ही इस पद की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि अब 86 दिन के बाद 31 मार्च को आईओई फंड बंद कर दिया जाएगा। ब्यूरो

32

हिंदी विभाग में ब्रेल दिवस पर काव्यपाठ

वाराणसी। बीएचयू के हिंदी विभाग की ओर से चार जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसमें कविता पाठ और नाट्य मंचन शामिल है। संयोजक समिति के राहुल कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ब्रेल लिपि के महत्व और दृष्टिहीन समाज के योगदान को रेखांकित करना है। पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। मुख्य अतिथि रेक्टर डॉ. संजय कुमार होंगे। वहीं प्रो. मायाशंकर पांडे, प्रो. वशिष्ठ अनूप, प्रो. कृष्ण मोहन सिंह, डॉ. सचिन तिवारी भी शामिल होंगे।

शोध में नवाचार के लिए किया जाये प्रोत्साहित-प्रोफेसर रवींद्र रेना

बीएचयू के वाणिज्य संकाय में आयोजित दिवसीय व्याख्यान भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका एवं आत्मनिर्भर भारत की प्रासंगिकता महत्वपूर्ण है। ये बातें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में वाणिज्य शिक्षा और शोध विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता डरबन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका के प्रोफेसर रवींद्र रेना ने कही। उन्होंने शिक्षाविदों को ऐसी पुस्तकें लिखने और प्रकाशित करने की सलाह दी, जिन्हें सम्राज के हर वर्ग द्वारा समझा जा सके। उन्होंने युवा पीढ़ी को शोध और शिक्षा में नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। वाणिज्य संकाय के अध्यक्षता एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हेमन्त कुमार सिंह ने कहा कि भारत का मौलिक ज्ञान भारतीय भाषाओं में निहित है जिन्हें पुस्तकों में भी लाना आज की आवश्यकता है। इन्होंने पदचिन्हों पर चलकर भारत विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने नयी शिक्षा पद्धति पर आधारित पाठ्यक्रम को लागू करने के साथ-साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली को लागू करने की अनुशंसा की। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर.के.सिंह ने शोध के नये अवसरों के बारे में चर्चा करते हुए गुणवत्तायुक्त शोध पत्र लेखन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर धनंजय साहू, डाक्टर लाल बाबू जयसवाल, डाक्टर मोनाक्षी सिंह, डाक्टर आलोक, डाक्टर कुरैशी, डाक्टर सूर्या, डाक्टर पल्लवी, डाक्टर शान्तनू सौरभ सहित अन्य शोधार्थी मौजूद रहे।

सीआइएसएफ करेगी बीएचयू की सुरक्षा व फायर सेफ्टी की जांच

जागरण संवाददाता, वाराणसी: बीएचयू परिसर की सुरक्षा और अग्निकांड से निपटने की व्यवस्था और समृद्ध होगी, क्योंकि बहुत पहले से इसकी जरूरत है। कैंपस में पहली बार सुरक्षा और फायर सेफ्टी का मूल्यांकन किया गया है, इसकी जिम्मेदारी सीआइएसएफ को दी गई थी। इसके लिए सीआइएसएफ के अधिकारियों ने दो चरणों में निरीक्षण कर लिया है। सुरक्षा तीन स्तर पर होगी। चीफ प्राक्टर प्रो. शिवप्रकाश सिंह ने बताया कि सीआइएसएफ के सीनियर कमांडेंट नीलेश की अगुवाई वाली टीम ने यहां निरीक्षण किया था। छह सदस्यीय टीम ने विवि के सभी क्षेत्रों की रिपोर्ट तैयार की है।

महामना महोत्सव का समापन व पुरस्कार वितरण आज

वाराणसी। सेवाज्ञ संस्थानम् द्वारा पं. मदन मोहन मालवीय जी के जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित महामना महोत्सव का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह चार जनवरी को बीएचयू परिसर स्थित स्वतंत्रता भवन में सुबह 11 बजे से होगा। महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में शहर के लगभग 56 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह में सेवाज्ञ संस्थानम् के संरक्षक व अयोध्या सिद्धपीठ श्रीहनुमन् निकास के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेशनदिनीशरण महाराज का मार्गदर्शन प्राप्त होना सुनिश्चित है। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी की उपस्थिति रहेगी। 4